श्रीकामाक्षीदेव्यै नमः

श्रीकाञ्चीकामकोटिपीठ, श्रीमठसंस्थान

श्रीकामाक्षी देवस्थान

काञ्चीपुरम्

श्रीमदादिशङ्करभगवत्पादपरम्परागतमूलामोघसर्वज्ञपीठ

श्रीकाञ्चीकामकोटिपीठाधिपति, जगद्गुरु श्रीशङ्कराचार्यस्वामीजी परम्परागत धर्मकर्ता

अष्टबंधनयुक्त महाकुम्भाभिषेक की निमंत्रण-पत्रिका

दुर्मुखि-मकर माह की सत्ताईसवीं तिथि पर (अर्थात् ०९.०२.२०१७)

श्रीकामाक्षीदेव्यै नमः

कार्यक्रम

क्र.सं	मकर मास-तिथि	दिनाङ्क	वार	कार्यक्रम
१.	२१	०३.०२.२०१७	शुक्र	प्रातः ९.०० बजे अनुज्ञा, गणेश-पूजा, यजमानसङ्कल्प, गणपतिहवन, नवग्रहहवन
				मध्याह्न १२.०० बजे पूर्णाहुति, प्रसाद वितरण
२.	२२	०४.०२.२०१७	शनि	शाम को वास्तुहवन, रक्षाबन्धन, मृत्संग्रहण, अङ्कुरार्पण, रक्षाबन्धन
३.	२३	०५.०२.२०१७	रवि	प्रातः ८.०० बजे यागशालाप्रतिष्ठा, मण्डपदेवताराधन, सर्वतोभद्रमण्डलपूजा, पवनपावन
४.	२४	०६.०२.२०१७	सोम	प्रातः ९.०० बजे प्रधानदेवताकलाकर्षण, प्रथमकाल यागशाला की पूजा
				प्रातः ११.३० बजे पूर्णाहुति, आरती, चतुर्वेदसमर्पण, प्रसाद वितरण
				शाम को ६.०० बजे द्वितीयकाल यागशाला की पूजा, हवन
				रात्रि ८.०० बजे पूर्णाहुति, दीपाराधन, चतुर्वेदसमर्पण, प्रसादवितरण
५.	२५	०७.०२.२०१७	भौम	प्रातः ८.०० बजे तृतीयकाल यागशाला की पूजा, जप, हवन, कन्यापूजा, सुवासिनीपूजा, वटु-पूजा
				प्रातः ११.३० होराया पूर्णाहुति, आरती, प्रसादवितरण
				शाम को ६.०० बजे चतुर्थकाल यागशाला की पूजा, जप, हवन
				रात्रि ८.०० होराया पूर्णाहुति, आरती, चतुर्वेदसमर्पण, प्रसाद वितरण
६.	२६	०८.०२.२०१७	बुध	प्रातः ८.०० बजे पञ्चमकाल यागशाला की पूजा, जप, सकलदेवतावरणपूजा, आवरणहवन
				प्रातः ११.३० होराया पूर्णाहुति, आरती, प्रसादवितरण
				शाम को ६.०० बजे षष्ठकाल यागशाला की पूजा, श्रीकामाक्षीसन्निधौ श्रीचक्रावरणपूजा, हवन, कलाहवन, शान्तिहवन, अष्टदिक्पालहवन
				रात्रि ८.०० बजे पूर्णाहुति, आरती,
७.	२७	०९.०२.२०१७	गुरु	प्रातः ७.३० बजे सप्तमकाल यागशाला की पूजा, जप, हवन
				प्रातः ८.३० बजे नाडीसन्धान, स्पर्शाहुति, वसोर्धारा, महापूर्णाहुति, आरती, घटयात्राप्रवेश
				प्रातः ९.४५ बजे विमानाभिषेक
				प्रातः १०.१५ बजे मूलस्थानाभिषेक, महाआरती, प्रसादवितरण
				शाम को ६.०० बजे महाभिषेक
				रात्रि ८.०० बजे स्वर्णरथ में परिवारदेवताओं से देवी की शोभायात्रा

श्रीकामाक्षीदेव्यै नमः

श्रीकाञ्चीकामकोटिपीठ, श्रीमठसंस्थान

श्रीकामाक्षी देवस्थान

काञ्चीपुरम्

श्रीमदादिशङ्करभगवत्पादपरम्परागतमूलामोघसर्वज्ञपीठ

श्रीकाञ्चीकामकोटिपीठाधिपति, जगद्गुरु श्रीशङ्कराचार्यस्वामीजी परम्परागत धर्मकर्ता

अष्टबंधनयुक्त महाकुम्भाभिषेक की निमंत्रण-पत्रिका

सुधामप्यास्वाद्य प्रतिभयजरामृत्युहरिणीं विपद्यन्ते विश्वे विधिशतमखाद्या दिविषदः।
करालं यत्क्ष्वेलं कवलितवतः कालकलना न शम्भोस्तन्मूलं तव जननि ताटङ्कमहिमा।।

श्रीमदादिशङ्करभगवत्पादाः

त्र्यम्बककुट्म्बिनीं त्रिपुरसुन्दरीमिन्दिरां पुलिन्दपतिसुन्दरीं त्रिपुरभैरवीं भारतीम्।
मतङ्गकुलनायिकां महिषमर्दनीं नायिकां भणन्ति विबुधोत्तमाः विहृतिमेव कामाक्षि ते।।

श्रीमूकशङ्कराचार्याः

विश्वकारणनेत्राढ्यां महात्रिपुरसुन्दरीम्।
बन्धकासुरसंहर्त्रीं कामाक्षीं तामहं भजे।।

श्रीमहामेरु शिखर में स्थित, साक्षात् श्रीपुर की निवासिनी, पाँच ब्रह्मों से युक्त मंच पर श्री कामेश्वर के पर्यङ्क पर आसीन होकर इस समस्त ब्रह्माण्ड की सृष्टि, स्थिति एवं संहार- इन तीनों कार्यों में रत देवी श्री ललितामहात्रिपुरसुन्दरी परम पावनीय हैं। तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं के द्वारा पूजित, श्री हरि- महादेव आदि समस्त देवताओं के सान्निध्य से परिपूरित, देवी पराशक्ति ने इस समस्त भूमण्डल के सभी जीवों को धर्म आदि पुरुषार्थ अनुग्रहीत करने हेतु इस जगत के सारे पुण्यतीर्थों में शीर्षस्थ स्थल 'कांचीक्षेत्र' में श्रीरुद्रकोटि में 'श्री एकाम्रनाथ' नाम से भोलेनाथ श्री कामेश्वर का रूप धारण किया था। उसी परमशक्ति ने कांचीक्षेत्र के पुण्यकोटि में 'श्रीवरदराज' नाम से महाविष्णु का स्वरूप भी लिया। इसके अतिरिक्त भगवती कांचीक्षेत्र के कामकोटि में बिलाकाश के रूप में रहती हैं तथा कन्या का रूपधारण करके समस्त आवरणशक्तियों के साथ संलग्न श्रीचक्रयंत्र रूप में विराजमान हैं।

'श्रीकांच्यां कामकोटीं कलिमलशमनीं कल्पयित्वा सुरेशे श्रीविद्याराजपीठार्चनमहितमहाराज्य साम्राज्यलक्ष्मीं' कहकर कलियुग के समस्त पापों का हरण करनेवाली भगवती श्री कांचीक्षेत्र की देवी कामाक्षी का स्तोत्र 'मार्कण्डेयसंहिता' में पाया जाता है। उस महिमान्वित शक्ति का प्रतिष्ठापन कांचीक्षेत्र के कामाक्षीमंदिर में श्रीचक्र यंत्र के रूप में जगद्गुरु श्री आदि शंकराचार्य के द्वारा साढ़े दो हजार वर्ष पहले किया गया था। उस श्रीचक्र में रहकर भगवती कामाक्षी भक्तों को अनुग्रहीत करती हैं। यह अत्यंत हर्षदायक विषय है कि भगवती कामाक्षी के मंदिर में अर्धमण्टप, गायत्रीमण्टप, डोलोत्सवमण्टप, वसन्तमण्टप, नवरात्रीमण्टप, प्रदर्शनमण्टप, वाहनमण्टप, गोशाला, शुक्रवारमण्टप, ऋषिगोपुर, ध्वजस्तम्भ, पाकशाला, पुष्करिणी एवं प्राकार का पूर्णतः जीर्णोद्धार तथा मंदिर के चारों ओर राजगोपुरों का नवीकरण भी हो चुका है। इन सबको नये रंगों के साथ सज्जित कर, ध्वजस्तम्भ के लिए स्वर्णकवच चढ़ाकर मंदिर की चहारदीवारी का जीर्णोद्धार करके सोने की नयी पालकी तथा नये कामकोटिविमान का वाहन बनवाया गया है। चाँदी-रथ का जीर्णोद्धार भी किया गया है तथा भक्तों के लिए नये प्रतीक्षालय की सुविधा भी दी गयी है। भगवती कामाक्षी के मूलस्थान विमान तथा श्री आदिशंकर मंदिर के विमान के लिए स्वर्णकवच का विस्तार भी संपन्न किया गया है। मंदिर में मूलमूर्ति के रूप में अवस्थित देवी कामाक्षी के मूलस्थान-विमान व बिलाकाश का अष्टबंधन कार्यक्रम संपन्न कराकर स्वस्तिश्री दुर्मुखि नाम वर्ष के मकरमाह की सत्ताईसवीं तिथि पर (अर्थात् ०९.०२.२०१७ को) पुनर्वसु नक्षत्र से युक्त गुरुवार के दिन उदयादिनाडिका ५ से ९.३० की अवधि में (अर्थात् प्रातः ९.०० बजे से १०.०० बजे तक की अवधि में) मीनलग्न की पावन घड़ी में उपर्युक्त अष्टबंधनयुक्त महाकुंभाभिषेक का आयोजन होगा। जगद्गुरु शंकराचार्य 'महास्वामी' श्रीश्रीश्री चंद्रशेखरेंद्रसरस्वती स्वामीजी की अनुकम्पा से प्रचलित होनेवाले इस महाकुंभाभिषेक का पावन कार्यक्रम श्रीकांचीकामकोटि पीठाधिपति जगद्गुरु शंकराचार्य श्रीश्रीश्री जयेंद्रसरस्वती स्वामीजी एवं जगद्गुरु शंकराचार्य श्रीश्रीश्री शंकर विजयेंद्रसरस्वती स्वामीजी के करकमलों के द्वारा संपन्न होगा।

समस्त भक्तजनों से प्रार्थना की जाती है कि अपने परिवारजनों के साथ इस महोत्सव की शुभवेला पर उपस्थित होकर कार्यक्रम में भाग लें तथा भगवती श्री कामाक्षीदेवी की असीम कृपा के पात्र बनें।

ए. सि. मुत्तैया
सेवकसमिति के अध्यक्ष

वि. विश्वनाथ अय्यर
श्रीकार्यम् एजंण्ट, श्रीमठ

चल्ला विश्वनाथ शास्त्री
आधीनपरंपरागत धर्मकर्ताओं के श्रीकार्यम्

। श्रीकामाक्षीदेवी मंदिर के परंपरागत स्थलस्थ एवं स्थानिक जन ।

श्रीकामाक्षीदेव्यै नमः

श्रीकाञ्चीकामकोटिपीठ, श्रीमठसंस्थान

श्रीकामाक्षी देवस्थान

दुर्मुखि-मकर माह की सत्ताईसवीं तिथि पर (अर्थात् ०९.०२.२०१७)

कुम्भाभिषेक के पावन अवसर पर संगीत कार्यक्रम - विवरणिका

प्रतिदिन प्रातः ६.३० बजे से ८.०० बजे तक

भाग लेनेवाले कांची कामकोटि पीठ के आस्थान विद्वान व प्रमुख कलाकार

03.02.2017 शुक्रवार	महाराजपुरम् **श्री.एस्.रामचन्द्रन**	स्वर-संगीत
	श्री.एम्.आर्.गोपीनाथन	वायोलिन
	नैवेली**श्री.स्कन्दसुब्रह्मण्यम्**	मृदङ्ग-वादन
04.02.2017 शनिवार	चिक्कल्. **श्री.सी.गुरुचरण**	स्वर-संगीत
	श्री.वी.सञ्जीव	वायोलिन
	मन्नार-कोइल**श्री.जे.बालाजी**	मृदङ्ग-वादन
	श्रीरङ्गम्. **श्री.एस्.रविकृष्णन**	घट-वादन
05.02.2017 रविवार	**श्री.अब्दुलकुमार**	स्वर-संगीत
	नैवेली **राधाकृष्णन**	वायोलिन
	श्री.एन्.रामकृष्णन	मृदङ्ग-वादन
	श्री.एम्. राजारामन	घट-वादन
06.02.2017 सोमवार	**श्री.गणेश** और**श्री कुमरेश**	वायोलिनयुगल
	बदरी **श्री सतीशकुमार**	मृदङ्ग-वादन
07.02.2017मंगलवार	**''लय मधुरा''- दैवी वाद्य-संगीत समारोह**	
	मृदङ्गवाद्यमणि तिरुप्पोरूर.**श्रीभक्तवत्सलन**	
08.02.2017 बुधवार	पद्मश्री.**डा. कद्रि गोपालनाथन**	शैक्सोफोन
	श्री.वी.बी.रवि	वायोलिन
	श्री. विजय. बी. नटेश	मृदङ्ग-वादन
	श्रीराजेन्द्रनाकट्	तबला-वादन
	श्रीराम	कीबोर्ड-वादन
09.02.2017 गुरुवार	**श्री. यू. राजेश**	मैंडोलिन-वादन
	श्री.एस्.डी.श्रीधर	वायोलिन
	श्री.एस्.वी.रमणी	मृदङ्ग-वादन

नादस्वर-वादन के कार्यक्रमों की विवरणिका

(प्रति दिन प्रातः ६:३० बजे से ८:०० बजे तक)

06.02.2017 सोमवार	चिन्नमनूर् **जी. कार्तिकेयन्** तथा हिडिम्बवनम् **इलयराजन्**	नादस्वर-वादन
07.02.2017मंगलवार	नैवेली**श्री.ऐयप्पन्** तथा **मीनाक्षीसुन्दरम्**	नादस्वर-वादन
08.02.2017 बुधवार तथा 09.02.2017 गुरुवार 06.02.2017से 09.02.2017तक	माम्बलम् **श्री.एम्.के.शिवा** तथा **एम्.के.एस्.नटराजन**	नादस्वर-वादन
	वीटु. कुप्पम्पट्टु. **श्री.एवी.मुरुगैयन्**	नादस्वर-वादन
	श्री.डी.एस्.डी.सेल्वरत्नम्	नादस्वर-वादन
	श्री.एस्.षण्मुखसुन्दरम्	नादस्वर-वादन
	पल्लावूर् श्रीमारार् परिवार-जन	पञ्चवाद्यम्

உ

Sri Kamakshi Devyai Namaha

SRI KANCHI KAMAKOTI PEETAM

SRI KAMAKSHI AMBAL
DEVASTHANAM RENOVATION COMMITTEE

No.1, SALAI STREET, KANCHIPURAM 631502

Chief Patrons

Aadheena Parampara Dharmakartha
H.H. Jagadguru Sri Sankaracharya Swamigal of
Kanchi Kamakoti Peetam

Pujyasri Jayendra Saraswathi Swamigal

Pujyasri Sankara Vijayendra Saraswathi Swamigal

Patron

Sri Shiv Nadar

Chairman

Sri A. C. Muthiah

Members

Sri P. Vijayakumar Reddy
Sri N. Ravi Sam
Sri J. Jayaraman
Sri T. R. Rajagopalan
Sri V. Shankar
Sri S. Mahalingam
Sri S. Ravichandran
Sri V. Viswanathan
Sri Ch. Viswanatha sastry
Navasuja Sri Vaidyasubramania Iyer Sons

Subhashree. Kanchi. Ph : 27221453

உ
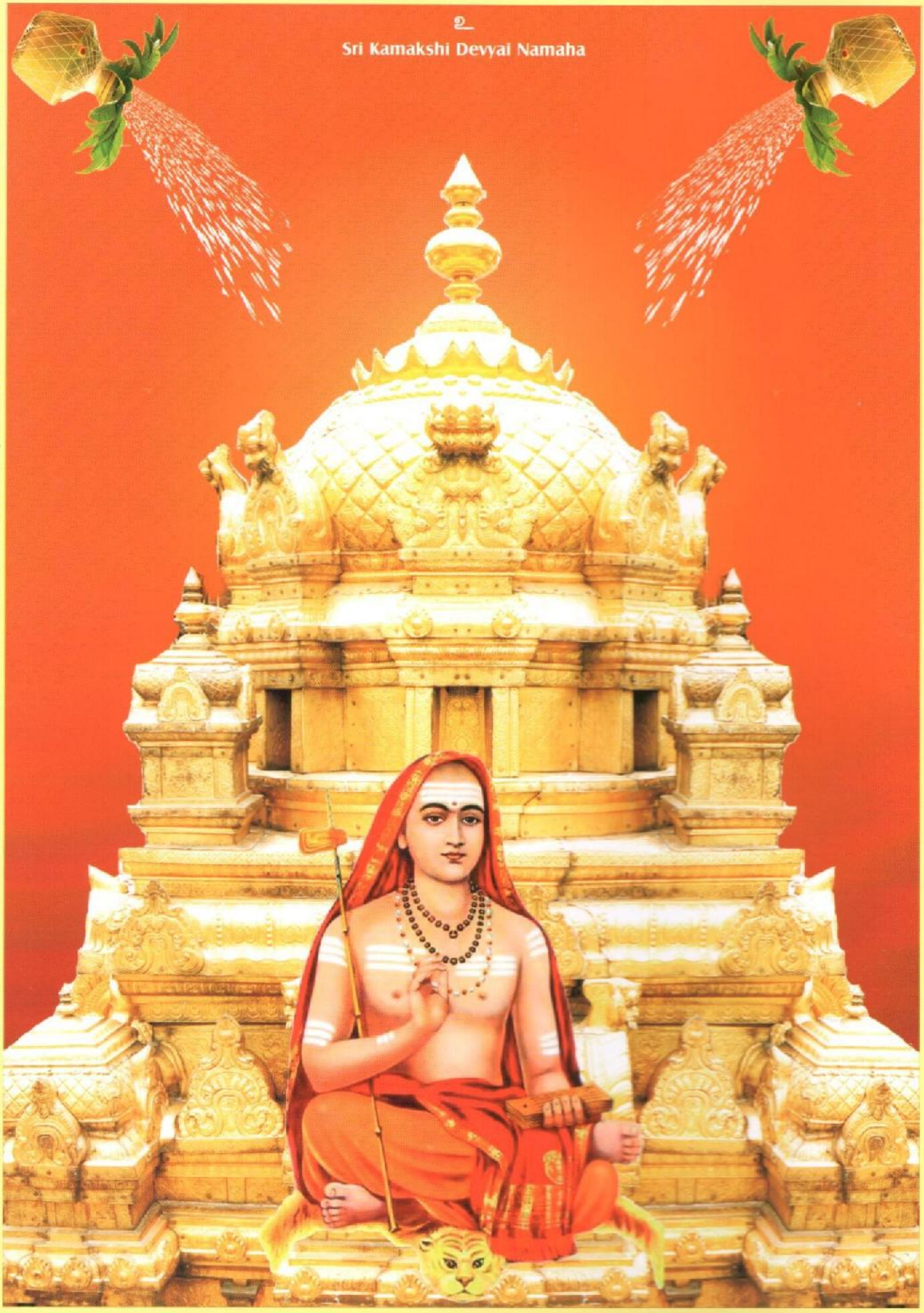
Sri Kamakshi Devyai Namaha